EVM Hatao Sena
ई.वी.एम् हटाओ सेना

EVM Black Glass & ई.वी.एम लाइट सेंसर द्वारा 30% तक वोटों की चोरी हो सकती है, बिना कोई सबूत

2017 से VVPAT में काला कांच क्यों लगाया गया ?

श्री राहुल चिमनभाई मेहता जी (जो कि एक कंप्यूटर इंजीनियर, वैज्ञानिक और वकील हैं, IIT-Delhi और Rutgers University, अमरीका से पढ़े हुए,1989 से ई.वी.एम. एक्सपर्ट) को 2019 में यह बात पता चली की **2017 में वी.वी.पे.ट. के कांच को पारदर्शी से काला कर दिया है, और वी.वी.पे.ट. के अंदर की लाइट की अवधि को 15 सेकंड से घटकर 7 सेकंड कर दिया है** । जनवरी 2019 में इन 2 बदलावों के बारे में राहुल मेहता जी को पता चला और इसके कारण कैसे वी.वी.पे.ट. कागज़ के वोटो की चोरी हो सकती हैं, और कंट्रोल यूनिट के इलेक्ट्रॉनिक वोट और वी.वी.पे.ट. के कागज़ के वोटो की गिनते करने पर 100% मिलान हो जाएगा, और चोरी पकड़ में नहीं आएगी, राहुल मेहता जी ने फरवरी 2019 इस चोरी के लॉजिक के बारे में फेसबुक पर लिखा | इसके उपरांत इस काले कांच की चोरी को सरल और सटीक रूप में समझाने हेतु राहुल मेहता जी ने ही ई.वी.एम. / वी.वी.पे.ट. डेमो मशीन बनाई | और तब से वह और उनके द्वारा स्थापित ई.वी.एम. हटाओ सेना पूरे भारत में असली ई.वी.एम.वोट चोरी डेमो (ई.वी.एम. काले कांच का काला जादू डेमो) दे रहे हैं |

यह चोरी **प्री प्रोग्रामिंग / इनसाइड टेंपरिंग (pre-programming / inside tempering) है, हैकिंग नहीं** और ई.वी.एम.**काला कांच** और इसके साथ लगा हुआ ई.वी.एम.**लाइट सेंसर** इस चोरी को छुपाता हैं |

इलेक्शन कमीशन का मैनुअल कहता है - ई.वी.एम. वी.वी.पे.ट मशीन की कीमत ₹38,000/- है, लोक सभा 2024 से पहले - **12 फरवरी 2024 को ई.वी.एम. हटाओ सेना (राइट टू रिकॉल पार्टी) / राहुल मेहता जी ने चुनाव आयोग को ₹40,000 का डी.डी. देकर पत्र द्वारा उनकी ई.वी.एम. मशीन मांगी**, लेकिन आज तक इलेक्शन कमीशन ने राहुल मेहता जी को ई.वी.एम. वी.वी.पे.टी. **मशीन नहीं दी और ना ही पत्र का कोई जवाब दिया**, राहुल मेहता जी का दावा है कि जिस तरह उन्होंने अपनी जुगाड़ू ई.वी.एम. मशीन बनाकर चोरी करके दिखाया, यदि इलेक्शन कमीशन अपनी ई.वी.एम. मशीन देती है, तो उसमें भी वह प्रोग्राम डालकर चोरी करके दिखा सकते हैं |

2010 में श्री हरिप्रसाद वेमुला जो की इलेक्शन कमिशन के इंजीनियर थे, उन्होंने कलेक्टर ऑफिस से **असली EVM मशीन हासिल** कर, राहुल मेहता जी की सहायता से उस बिना वी.वी.पेट.वाले EVM में **अलग-अलग प्रकार से वोटों की चोरी करके दिखाया**, जिसका वीडियो आज भी यूट्यूब पर है। किसी भी पार्टी अध्यक्ष ने इस वीडियो को अभी तक फैलाने की कोशिश नहीं की ।

आज भी ग्राम पंचायत,नगर निगम और जिला परिषद के चुनाव ऐसे EVM से होते हैं जिसमें वी.वी.पेट.नहीं लगा हुआ है (जो की 2025 में भी होने जा रहे हैं)। यानी मतदाता मत देने के बाद अपनी स्लीप या चिन्ह नहीं देख पाएगा, जबकि **2013 में सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट आदेश है कि EVM के साथ में वी.वी.पेट.होना ही चाहिए** जिसमें मतदाता मत देने के बाद अपनी स्लिप देख सके। यहां तक की कोई भी EVM विरोधी वकील भी इस बारे में याचिका लगवा कर चुनाव आयोग को यह आदेश नहीं दिलवाता है कि आने वाले नगर निगम के चुनाव में EVM के साथ VVPAT जरूर लगाई जानी चाहिए । कोई पार्टी अध्यक्ष इस बारे में ना ही कुछ कहता या करता है ।

संविधान के राज्य सूची का **अनुच्छेद 328** जिससे कोई भी राज्य सरकार राज्य चुनाव आयोग के साथ मिलकर नगर निगम,ग्राम पंचायत,जिला पंचायत यहां तक की विधानसभा के चुनाव किस प्रकार करवाना है इस पर कानून बना सकती है । विरोधी पक्ष के किसी भी पार्टी ने आज तक राज्य सरकार के लिए यह कानून क्यों नहीं बनाया कि वह राज्य का चुनाव बैलट पेपर से करवाएंगे, ना कि काले कांच वाले - लाइट सेंसर वाले VVPAT से ।

RRPIndia.in | EvmHatao.com | RahulMehta.com

असली ई.वी.एम.वोट चोरी डेमो देखें

Tinyurl.com/LiveEvmBlackGlassDemo

Tinyurl.com/EvmDemoRcm

भारत में अब तक ई.वी.एम. जिंदा क्यों है - पूरा लेख यहां पढ़े और पूरा ऑडियो सुने

चुनाव आयोग की वेबसाइट कहती है कि **384 कैंडिडेट अधिकतम EVM से चुनाव लड़ पाएंगे** । यह सारे पार्टी अध्यक्षों को पता होने पर भी उन्होंने 384 कैंडिड से अधिक चुनाव में खड़े क्यों नहीं किए ? अगर उन्होंने 384 प्रत्याशियों से ऊपर खड़ा करने की सार्वजनिक घोषणा भी की होती, तो चुनाव आयोग पहले ही बैलट पेपर से चुनाव कराना तय कर लेता और EVM अपने आप रद्द हो जाती। (इतिहास में एक बार यह चंद्रशेखर राव की तेलुगु राज्य समिति पार्टी ने 2010 में किया था। 2010 में केवल 64 कैंडिडेट EVM से अधिकतम चुनाव लड़ सकते थे। TRS पार्टी ने 64 प्रत्याशियों के ऊपर चुनाव में खड़े किए थे, और चुनाव आयोग को EVM रद्द करनी पड़ी थी। आज 384 के ऊपर प्रत्याशी खड़े करने होंगे। अब यह कितना संभव है यह प्रश्न बाद का है पर विरोधी पार्टी अध्यक्षों ने इस बात का प्रयत्न भी क्यों नहीं किया, यह समझ में नहीं आता। (हमारे पास इतना पैसा नहीं है कि हम इतने प्रत्याशी खड़े कर सकें।) हमारा मानना है कि 384 प्रत्याशियों को खड़ा करने की सार्वजनिक घोषणा करते ही चुनाव आयोग बैलट पेपर से चुनाव करने के लिए बाध्य हो जाएगा।

कैसे आप सिर्फ 5 मिनट और 50 पैसा निकालकर आप भारत में ई.वी.एम. रद्द कर बैलट पेपर ला सकते हो, बिना किसी पार्टी,नेता,संगठन,वकील,NGO,बड़े कार्यक्रम / पुलिस परमिशन आदि पर निर्भर रह के |

आपको सिर्फ चुनाव आयोग, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को लिखित आदेश पत्र, पोस्टकार्ड द्वारा हर महीने भेजना है, और इस खुले आदेश ,पोस्टकार्ड को आपके सारे सोशल मीडिया अकाउंट - फेसबुक,ट्विटर इंस्टाग्राम,व्हाट्सएप इत्यादि में डालना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक असली ई.वी.एम.वोट चोरी के कारण का पता चले । **इस खुला आदेश पत्र में सबसे महत्वपूर्ण शब्द है - ई.वी.एम. काला कांच** और **ई.वी.एम. लाइट सेंसर** क्योंकि यह आज के वी.वी.पे.ट. वाले ई.वी.एम. के चोरी का कारण है । ज्यादा से ज्यादा नागरिक इस तरह का खुला आदेश यदि केंचुआ ,प्रधानमंत्री & मुख्यमंत्री को भेजेंगे, तो उन पर दबाव आएगा कि अब ज्यादा से ज्यादा नागरिक यह जान गए हैं आज के वी.वी.पेट वाले ई.वी.एम. में वोटो की चोरी कैसे हो सकती है और **ये दबाव उन्हें भारत में बैलट पेपर लाने के लिए बाध्य करेगा । इस पोस्टकार्ड को और मजबूत, सत्ताधारी वर्ग पर दबावशील बनाना है** तो इसमें ई.वी.एम.काला कांच & लाइट सेंसर के साथ - **वोट वापसी इलेक्शन कमिश्नर** और **पब्लिक नार्को टेस्ट कानून** की भी मांग करे क्योंकि सत्ताधारी वर्ग यह कतई नहीं चाहते कि वोट वापसी इलेक्शन कमिश्नर कानून और पब्लिक नार्को टेस्ट कानून की जानकारी ज्यादा से ज्यादा नागरिकों तक पहुंचे, इसकी मांग आगे बढ़े । इस डर के कारण भी वह भारत में बैलट पेपर जल्दी लाने के लिए बाध्य हो जाएंगे ।

ई.वी.एम काला कांच
ई.वी.एम लाइट सेंसर
 # बैलट पेपर लाओ
#वोटवापसी_चुनाव आयुक्त

चे ये
पिन कोड लिखें
WRITE PIN CODE IN ADDRESS
15 भारत INDIA

प्रति,
इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया,
निर्वाचन सदन, अशोका मार्ग,
नई दिल्ली
पिन PIN

नाम : .....
वोटर आई.डी : .....
तारीख : .....

ई.वी.एम काला कांच
ई.वी.एम लाइट सेंसर
 # बैलट पेपर लाओ
#वोटवापसी_चुनाव आयुक्त
 # सार्वजनिक नार्को टेस्ट

चे ये
पिन कोड लिखें
WRITE PIN CODE IN ADDRESS
15 भारत INDIA

प्रति,
प्रधानमंत्री कार्यालय,
नई दिल्ली
पिन PIN

नाम : .....
वोटर आई.डी : .....
तारीख : .....

व्हाट्सएप पे जुड़ने के लिए स्कैन करे

कृपया "ई.वी.एम. हटाओ सेना" से, संपर्क करें

9892526735, 8452036906

इस मुहिम को योगदान करे